भ्रष्टाचार और आप

शिक्षा और कानूनी सलाह सेन्टर की प्रस्तुति
अनुवादक- नीलम कुमार

गतांक से

आगे भ्रष्टाचार से बचने की सलाह

कई लोग ऐसे हैं जो आसानी से इंटरनेट की सभी जानकारियों या किसी समाचार में प्रकाशित कई तरह के विज्ञापनों को सच मान लेते हैं और उसमें निहित चिकनी-चुपड़ी बातों से प्रभावित होते हैं।
लोगों को यह जानना चाहिए कि विज्ञापनों में दी गई जानकारियां, सामानों की बिक्री और सेवा में बृद्धि के ख्याल से रखी जाती है जिनसे लोग आसानी से
प्रभावित होते हैं और सेवा प्राप्त करने या सामान खरीदने पर मजबूर हो जाते हैं।
एक व्यक्ति को हमेशा किसी कोंट्रेक्ट में जाने के लिए सावधानी बर्तनी चाहिए। हर तरफ भ्रष्टाचार, धोखाघड़ी, फरेब और झूठ है इसलिए सभी को बहुत ही सावधानीपूर्वक ऐसे विज्ञापनों, जानकारियों तथा माध्यमों के मार्फत प्राप्त होने वाली सेवाओं से उलझना चाहिए।
इन सब से बचने के लिए आपको क्या करना चाहिए
- हमेशा चिकनी-चुपड़ी बातों, आकर्षक विज्ञापनों तथा सुन्दर चलचित्रों से आकर्षित होकर विचलित न होएं
- एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते आप को सावधानीपूर्वक उन पता तथा ई-मेइल के स्रोतों की जानकारी होनी चाहिए जिन के मार्फत आप लेन-देन कर रहे हैं या फिर उस व्यक्ति के अता-पता का सही ज्ञान हो जिनसे आप सेवा प्राप्त कर रहे हैं या सामान ले रहे हैं।
-व्यक्ति का नाम तथा उस सामान के बारे में गूगल से पता करके पता लगा लीजिए जिन्हें आप चाहते हैं या जिसके साथ आप लेन-देन कर रहे हैं।
कुछ भी सन्देह होने पर आप तुरन्त उसके साथ लेन-देन बन्द कर दें।
- व्यक्ति का टेलीफोन नम्बर और उसके नाम के बारे में स्थानीय डायरेक्ट्री में चेक कर लें ताकि किसी तरह के रेफरेन्स लेते वक्त यह पुष्टि करलें कि जिस से आप बात कर रहे हैं वो वही व्यक्ति हैं जिनसे आप लेन-देन कर रहे हैं। यह भी पता लगाएं कि उनका परिवार सही है।
अगर आप किसी प्रोफेसर या लेक्चरार से लेन देन करते हैं तो ज़रूरी है कि आप उसके युनिवर्सिटि से सम्पर्क करके पता लगा लें कि क्या वास्तव में उस नाम का प्रोफेसर या लेक्चरार वहां कार्यरत है और अगर हो सके तो उस लेक्चरार या प्रोफेसर से बात भी करें।
अगर आप को मालूम है कि उक्त व्यक्ति किसी शैक्षिक संस्थान से जुड़ा है तो अच्छा होगा कि आप शिक्षा मंत्रालय से सम्पर्क करके पता लगाएं कि उक्त संस्थान उनके तहत रेजिस्टर्ड है या नहीं, क्या उसे मान्यता प्राप्त है या नहीं।
अपने व्यक्तिगत बैंक अकाउन्ट, पासपोर्ट नम्बर, एफ एन पी एफ नम्बर तथा एफ आर सी ए टेक्स नम्बर न दें क्योंकि इन नम्बरों की जानकारी देने से कोई भी आपके व्यक्तिगत नम्बरों और अकाउन्ट से छेड़छाड़ करके आपके साथ धोखा कर सकता है। अगर आपको कुछ भी संदेह हो रहा हो तो आप अपने रिश्तेदारों, काम करने वाले सहपाठियों तथा दोस्तों या सहेलियों से उनके विचार ले सकते हैं। आप पुलिस तथा अन्य किसी उच्च अथोरिटि की सहायता भी ले सकते हैं।
हम सब समय-समय से स्केम यानी ऐसे धोखाघड़ी वाले ई-मेइल्स प्राप्त करते रहते हैं। ऐसे ई मेइल के सही होने या न होने का पता लगाने के लिए ओन लाइन यानी इंटरनेट पर कुछ सोफ्टवेयर भी मिलते हैं जिन्हें डाउनलोड करके आप ऐसे ई-मेइल्स का पता भी लगा सकते हैं।
इसे आप मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं और यह सोफ्टवेयर आपको यह बताएगा कि अमुक ई-मेइल सही हैड वो वास्तव में सक्रिय है और सही तरह से व्यवस्थित है।
बात यह है कि आप एक शिक्षित नागरिक की तरह व्यवहार करें और इन सब विषयों की जानकारी रखें। अगर आप इन जानकारियों से वाकिफ होंगे तो आपको कोई दूसरा ठग नहीं सकेगा। अगर आपके साथ धोखा हुआ है, कोई आप से सम्पर्क रख रहा है पर आप को संदेह हो रहा है, कोई कम्पनी से आपको किसी तरह धोखाघड़ी का भय है या किसी दल और संस्था के साथ का लेन-देन उचित ढंग से नहीं हो रहा है और आप संतुष्ट नहीं हैं तो आप ए एल ए सी यानी ऐलेक (एडवोकसी एन्ड लीगल एडवाइस सेन्टर) से सलाह प्राप्त कर सकते हैं।
नोट करें- यहां दी गई जानकारी एक सच्ची घटना पर आधारित है जो ऐलेक के समक्ष पेश की गई थी। ऐलेक ट्रांस्पेरेन्सी इंटरनेशनल फीजी का एक कार्यक्रम है जिसके तहत भ्रष्टाचार के शिकार हुए लोगों और गवाहों को मुफ्त में कानूनी सलाह देते हैं। और जानकारी के लिए लोग 3304702 या 3584975 पर सम्पर्क करें या उनके दफ्तर 72 प्रेट स्ट्रीट सूवा स्थित ट्रांस्पेरेन्सी इंटरनेशनल में चले आइए।